जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

28 जुलाई 2020

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया और एनएएसी ने संयुक्त वेबिनार आयोजित किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया और नेशनल असेस्मन्ट एंड अक्रेडटैशन काउंसिल (एनएएसी) ने संयुक्त रूप से आज एक वेबिनार का आयोजन किया। इसमे एनएएसी की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझाया गया।

वेबिनार का उद्घाटन, जामिया की कुलपति प्रोफेसर नजमा अख्तर ने किया। इसमें देश भर के कई संस्थानों के लगभग एक हजार लोगों ने हिस्सा लिया। इसके लिए 1236 लोगों ने पंजीकरण कराने का आवेदन किया था, लेकिन तकनीकी बाधाओं के कारण केवल एक हजार को ही शामिल किया जा सका।

एनएएसी टीम का नेतृत्व इसकी सलाहकार डॉ के रामा, और उप सलाहकार, देवेंद्र कवाडे ने किया। एनएएसी के असिस्टेंट सलाहकार डॉ श्याम सिंह इंदा और डॉ विनीता साहू, वेबिनार के विशेषज्ञ थे।

इसमें हिस्सा लेने वालों का प्रोफाइल काफी विविधतापूर्ण था, जिसमें 450 से अधिक प्रोफेसर, 100$ एसोसिएट प्रोफेसर, 100 $ प्रोफेसर, लगभग 30 पिं्रसिपल और अन्य अधिकारी थे। इसमें कॉलेजों के लगभग 417 प्रतिभागी शामिल थे। जामिया के तकरीबन 150 फैकल्ट सदस्यों ने भी वेबिनार के लिए पंजीकरण कराया।

प्रोफेसर नजमा अख्तर ने अपने उद्घाटन भाषण में उच्च संस्थानों के लिए गुणवत्ता और मान्यता के महत्व को विकसित करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि एक संस्थान की अक्रेडटैशन स्टैंडिंग, वह महत्वपूर्ण संकेतक है जो उसकी समग्र गुणवत्ता को दर्शाता है।

उन्होंने भारत की बहुत ही विविध और विशाल शैक्षिक प्रणाली के लिए गुणवत्ता और मान्यता के लिए मानक स्थापित करने में एनएएसी की भूमिका की सराहना की।

प्रो अख़्तर ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखना एक सतत और चक्रीय प्रक्रिया है। यदि कोई संस्थान अपने गुणवत्ता मानकों में सुधार करता है, तो शैक्षिक परिणाम बेहतर हो जाते हैं और यह छात्रों की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है। हमारे सामने चुनौती केवल

गुणवत्ता चक्र को बनाए रखना नहीं है बल्कि इसे बढ़ते हुए सर्पिल (स्पाइरल) में बदलना है। तभी गुणवत्ता की खोज पूरी होगी।

जामिया की कुलपति ने सुझाव दिया कि गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए, मान्यता और रैंकिंग में लगातार प्रगति दिखाने वाले संस्थानों को सरकार और बड़े संस्थानों की तरफ से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और मानकों को बनाए रखना एक सतत और स्थायी प्रक्रिया बन जाएगी।

एनएएसी की सलाहकार डॉ के रामा ने प्रतिभागियों को प्रोग्राम से अवगत कराया और कहा कि उच्च शैक्षिक संस्थानों (एचईआई) के कामकाज की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एनएएसी इस प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है।

डॉ रामा ने जामिया द्वारा समग्र शैक्षिक उत्कृष्टता की हासिल करने के लिए, इसके प्रशासन के प्रयासों की प्रशंसा की।

एनएएसी के उप सलाहकार डॉ देवेंद्र कवाडे ने एनएएसी की आकलन और प्रत्यायन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस आंकलन पद्धति के मुख्य मूल्यों, दृष्टि और मिशन के बारे में प्रकाश डाला।

इसी संस्था के असिस्टंट सलाहकार डॉ श्याम सिंह इंदा ने स्व-अध्ययन रिपोर्ट और छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने स्व-अध्ययन रिपोर्ट तैयार करने और एसएसआर भरने के महत्व की प्रक्रिया के बारे में भी बताया।

एनएएसी की एसिस्टेंट एडवाइजर, डॉ विनीता साहू, ने अपनी प्रस्तुति में डेटा सत्यापन और प्रमाणीकरण (डीवीवी) प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पीयर टीम विजिट मैनेजमेंट के आॅन-साइट-विजिट और वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के तौर-तरीकों को भी साझा किया।

वेबिनार के अंत में, एक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया था जिसे डॉ रामा ने संचालित किया। इसमें प्रतिभागियों के सवालों के संतोषजनक जवाब दिए गए।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक